आनंद भास्कर

www.anandabhaskar.com

नया भोर नयी खबर

प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के नए कुलाधिपति...02

लखनऊ, गुरुवार 14 मई 2026

बागेश्वर धाम शिष्य मंडल लखनऊ श्री गुरु सेवा समिति...06

सोना 9,345 और चांदी 22,853 महंगी

टाटा मोटर्स सीवी का मुनाफा 33 प्रतिशत बढ़ा

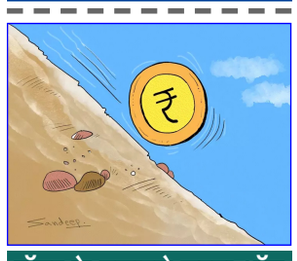

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो पर आया

राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48 डिग्री सेलसियस पार

यूपी के संभल में दिन में अंधेरा छाया

बिहार-महाराष्ट्र में आंधी-बिजली से 11 मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में मंगलवार को चार जिलों में 45 डिग्री सेलसियस से ज्यादा तापमान रहा। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 48.3 डिग्री सेलसियस तापमान दर्ज किया गया। फलोदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में पारा 45 से 46 डिग्री सेलसियस के बीच रहा। उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार को दिन में अंधेरा छा गया। तेज हवा के साथ धूलभरी आंधी चली। मेरठ में तेज बारिश हुई। आज राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के रतलाम में तापमान 46.5 डिग्री सेलसियस पर पहुंच गया। निवाड़ी के बीजौर में तेज आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे। हरियाणा के पिनगवा में भी ओले गिरे। पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश हुई। बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चा समेत 5 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के

सांगली में तेज आंधी के कारण एक मंदिर की दीवार गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, केरल के मलप्पुरम में बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस हफ्ते के आखिर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तक पहुंच सकता है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी इलाके में सक्रिय है। इसके साथ जुड़ा चक्रवाती घेरा समुद्र तल से करीब 4.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। विभाग ने कहा कि अगले 48 घंटों में यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है। आमतौर पर मानसून 20 मई के आसपास अंडमान-निकोबार पहुंचता है। मानसून 1 जून को केरल में दस्तक देता है। इसके साथ ही देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन की शुरुआत मानी जाती है, जो सितंबर तक चलता है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां दिन का तापमान 48.3 डिग्री सेलसियस रहा। ये सीजन का अब तक का सबसे अधिक टेम्प्रेचर है। मौसम विभाग ने बुधवार को 3 जिलों में गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। दिन के समय लोगों को घर से नहीं निकलने की भी एडवाइजरी जारी की गई है। प्रदेश के इंदौर और उज्जैन संभाग के 15 में से 11 जिलों में अगले 4 दिन तक लू की चपेट रहेंगे। भोपाल और नर्मदापुरम में भी हीट वेव चलेगी। मंगलवार को निवाड़ी जिले के बीजौर में बारिश के साथ ओले भी गिरे। वहीं, रतलाम में 46.5 डिग्री सेलसियस पारा दर्ज किया गया। प्रदेश के संभल में बुधवार को सुबह 10 बजे दिन में अंधेरा छा गया। धूलभरी आंधी चली। तेज हवा के साथ बारिश भी हुई। मेरठ में भी तेज बारिश हुई। आज 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। पूर्वी यूपी में ओले भी गिर सकते हैं। मंगलवार को बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 43.6 डिग्री सेलसियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आज पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है।

आम आदमी की जेब पर असर

अमूल ने देशभर में दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए

नई दिल्ली, एजेंसी। डेयरी और एफएमसीजी क्षेत्र से उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। देश की प्रमुख डेयरी को-ऑपरेटिव अमूल ने अपनी दूध की कीमतों में इजाफा करने का फैसला किया है, जिसका सीधा असर आम आदमी के मासिक बजट पर पड़ेगा। अमूल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पूरे भारत में दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह एक राष्ट्रीय स्तर की मूल्य वृद्धि है, जो देश के सभी बाजारों में समान रूप से लागू की जा रही है। उपभोक्ताओं के लिए यह जानना जरूरी है कि 2 रुपये प्रति लीटर की यह बढ़ोतरी 14 मई से प्रभावी हो गई है। इसका अर्थ है कि 14 मई से खुदरा बाजारों और स्टोर्स पर अमूल दूध की खरीद के लिए ग्राहकों को अब नई दरों के अनुसार भुगतान करना होगा। अमूल की ओर से 14 मई से देशभर में 2 रुपये प्रति लीटर की इस वृद्धि का सीधा असर करोड़ों उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू बजट पर पड़ेगा।

पेट्रोलियम मंत्री बोले, भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल

45 दिन का एलपीजी स्टॉक है, पीएम की बातों का मनगढ़ंत मतलब न निकालें

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम की बचत की अपील का भी जिक्र किया। पुरी ने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें। दरअसल पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेशी यात्राओं से बचें। हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, तो घाटा 1,98,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है। अगर आप तिमाही के आंकड़ों को देखें तो कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे में, आप इसे कब तक इसी तरह बनाए रख सकते हैं? तेल की कीमतें कहां पहुंच गई हैं? पहले यह लगभग 64 या 65 के आसपास हुआ करती थीं। अब यह बढ़कर 115 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई हैं। हरदीप पुरी ने कहा- दुनिया की कुल ऊर्जा का 20त्न हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता था। हमारे कच्चे तेल के आयात का 85 प्रतिशत हिस्सा वहीं से आता था।

खरीफ की 14 फसलों पर बढ़ाई एमएसपी

केंद्रीय कैबिनेट के बड़े फैसले

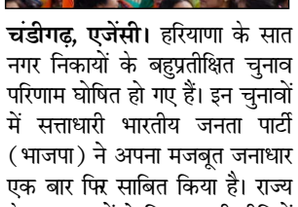

- खरीफ की 14 फसलों पर बढ़ाई एमएसपी
- कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए 37,500 करोड़ रुपयों की मंजूरी
- अहमदाबाद से धोलेरा तक सेमी हाई-स्पीड दोहरी लाइन परियोजना
- नागपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का होगा कायाकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट बैठक में बुधवार को आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार ने वर्ष 2026-27 के विपणन सत्र के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि सूरजमुखी के बीज (622 प्रति क्विंटल) के लिए, उसके बाद कपास (557 प्रति क्विंटल), नाइजरसीड (515 प्रति क्विंटल) और तिल (500 प्रति क्विंटल) के लिए अनुशंसित की गई है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 37,500 करोड़ रुपये से कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने की एक योजना को भी मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मोदी कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, कोयला गैसीकरण का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। गैस की आवश्यकता और भू-राजनीतिक स्थिति के अनुसार आत्मनिर्भर कैसे बनें उन्होंने कहा, भारत में कोयले का प्रचुर भंडार है। अगले 200 वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत के पास पर्याप्त कोयला है। तो क्या हम उस कोयले का उपयोग करके गैस का उत्पादन कर सकते हैं इस दिशा में अच्छा प्रयास किया जा रहा था और आज एक निर्णय लिया गया है - कोयला गैसीकरण योजना। कोयले से गैस का उत्पादन और फिर उस गैस से उर्वरक, कोयले से गैस का उत्पादन और फिर उस गैस से बिजली, कोयले से गैस का उत्पादन और फिर उस गैस से विभिन्न प्रकार के रसायन। यह एक बड़ा निर्णय है। वैष्णव ने बताया कि रेल मंत्रालय की लगभग 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाली अहमदाबाद (सरखेज) - धोलेरा अर्ध-उच्च गति दोहरी लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। भारत की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना के रूप में, यह परियोजना एक अग्रणी परियोजना के रूप में काम करेगी और देश भर में सेमी हाई-स्पीड रेल के चरणबद्ध विस्तार के लिए एक संदर्भ मॉडल के रूप में कार्य करेगी।

आरबीआई गवर्नर ने चेताया, स्थिति न सुधरी तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी तय

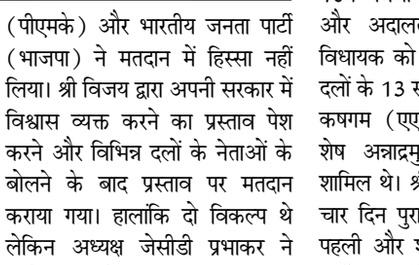

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। ज्यूरिख में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और स्विस नेशनल बैंक की ओर से आयोजित 12वें उच्च-स्तरीय सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक अहम बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जो भारी उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन, अगर यह वैश्विक व्यवधान लंबे समय तक खिंचता है, तो आम उपभोक्ताओं को ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद, भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखा है। इसके लिए सरकार ने अपनी तरफ से ड्यूटी कम करने और गैस जैसी कुछ नियंत्रित कीमतों में मामूली वृद्धि करने जैसे कदम उठाए हैं। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, पिछले 75 दिनों से अधिक समय से जारी इस संकट के कारण मौजूदा स्थिति को अनिश्चित काल तक बनाए रखना संभव नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह केवल समय की बात है कि सरकार इन बढ़ी हुई कीमतों का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाल देगी।

अखिलेश यादव के भाई प्रतीक का निधन

लखनऊ के अस्पताल में ली अंतिम सांस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव (38) का लखनऊ में निधन हो गया है। प्रतीक यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव और उनकी दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के छोटे बेटे थे। वे अखिलेश यादव के सौतेले भाई थे। प्रतीक यादव को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वे बीजेपी लीडर अपर्णा यादव के पति थे। बताया जा रहा है कि बीते कुछ समय से उनकी तबीयत खराब थी और उनका इलाज चल रहा था। आज सुबह बुधवार को उन्हें अस्पताल लाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रतीक यादव के निधन की खबर सुनते ही यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रतीक यादव की मौत किस बीमारी से हुई अभी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। कुछ समय पहले वे मेदांता में भर्ती किए गए थे। हालात में सुधार होने पर उन्हें वापस घर लाया गया था। वे पिछले कुछ दिनों से पूरी तरह स्वस्थ नहीं दिखाई दे रहे थे। बता दें कि प्रतीक यादव अपने परिवार की राजनीतिक बैकग्राउंड से दूर रियल एस्टेट और फिटनेस एंटरप्रेन्योरशिप के सेक्टर में काम करते थे। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के

लंदन स्थित यूनिवर्सिटी से स्क्रू किया था। प्रतीक यादव को फिटनेस का काफी शौक था। लखनऊ में उनके जिम का बिजनेस भी है। उन्हें जिम करने और फिट रहने का बहुत ज्यादा शौक था। प्रतीक यादव ने अब तक कोई भी चुनाव नहीं लड़ा और न ही पार्टी में कोई बड़ा पद संभाला था। वे आम तौर पर सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे। साल 2017 में दिए गए एक इंटरव्यू में यादव ने कहा था कि वह जब तक संभव होगा।

7 में से 6 निकायों पर भाजपा का कब्जा एक में निर्दलीय ने मारी बाजी

अम्बाला, पंचकूला और सोनीपत में फिर भाजपा मेयर

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के सात नगर निकायों के बहुप्रतीक्षित चुनाव परिणाम घोषित हो गए हैं। इन चुनावों में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना मजबूत जनाधार एक बार फिर साबित किया है। राज्य के मतदाताओं ने विकास की नीतियों पर भरोसा जताते हुए सात में से छह निकायों के शीर्ष पदों (मेयर और चेयरमैन) की चाबी भाजपा को सौंप दी है। वहीं, एक निकाय (उकलाना) में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी ने शानदार जीत दर्ज कर अपना दबदबा कायम किया है। प्रदेश के तीन सबसे बड़े और महत्वपूर्ण नगर निगमोंकृअम्बाला, पंचकूला और सोनीपतकृमें कांग्रेस को करारी शिकस्त देते हुए भाजपा के मेयरों ने एकतरफा जीत हासिल की है। ट्राई सिटी के पंचकूला में भाजपा के श्याम लाल बंसल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआत से जो बढ़त बनाई, वह अंत तक कायम रही। बंसल ने कांग्रेस की मेयर प्रत्याशी सुधा भारद्वाज को 36,252 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। इस चुनाव में श्याम लाल बंसल को कुल 68,544 वोट प्राप्त हुए, जबकि सुधा भारद्वाज को 32,292 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। अम्बाला नगर निगम यहां भी भाजपा की लहर देखने को मिली। भाजपा प्रत्याशी अक्षिता सैनी ने मेयर पद पर शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस की कुलविंदर कौर सैनी को 21,358 मतों से पराजित किया।

विजय सरकार ने 144 मतों के साथ जीता विश्वास मत

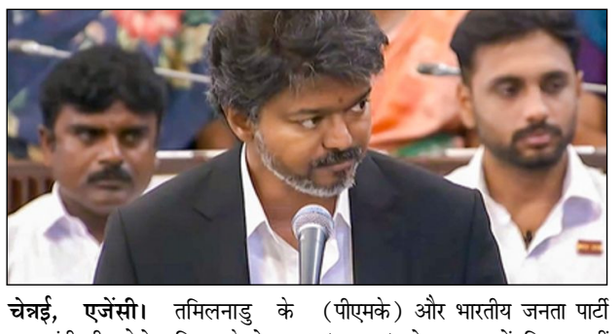

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने बुधवार को 234 सदस्यीय विधानसभा में सहयोगी दलों और अखिल भारतीय अन्न द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बागी विधायकों के समर्थन के साथ आसानी से विश्वास मत जीतकर बहुमत साबित कर दिया। श्री विजय को यह सफलता तब मिली जब 59 सदस्यीय मुख्य विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सदन से बहिर्गमन किया, जबकि अन्नाद्रमुक की सहयोगी चार सदस्यीय पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। श्री विजय द्वारा अपनी सरकार में विश्वास व्यक्त करने का प्रस्ताव पेश करने और विभिन्न दलों के नेताओं के बोलने के बाद प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। हालांकि दो विकल्प थे लेकिन अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने ध्वनि मत के बजाय सरकार का समर्थन करने वालों की गिनती करने का विकल्प चुना। सदन के 232 सदस्यों में से 171 सदस्य मौजूद रहे। श्री विजय ने एक सीट से इस्तीफा दिया था और मद्रास उच्च न्यायालय ने एक टीवीके विधायक को विश्वास मत में भाग लेने से रोक दिया था। सदन में श्री विजय ने अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों सहित 144 सदस्यों के समर्थन के साथ आसानी से शक्ति परीक्षण जीत लिया, जबकि इसके विरोध में 22 सदस्यों ने मतदान किया और पांच तटस्थ रहे। प्रस्ताव का समर्थन करने वाले 144 विधायकों में टीवीके के 104 विधायक (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अदालत द्वारा रोके गए एक विधायक को छोड़कर), पांच समर्थक दलों के 13 सदस्य, अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) का एक और शेष अन्नाद्रमुक के बागी विधायक शामिल थे। श्री विजय के नेतृत्व वाली चार दिन पुरानी सरकार के लिए यह पहली और शानदार जीत है, जिनकी पार्टी 108 विधायकों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी लेकिन बहुमत से पीछे थी। राज्यपाल आर. वी. अर्लेकर द्वारा सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद उन्होंने निर्देशानुसार आवश्यक संख्या जुटाकर अपनी शक्ति साबित की।

नीट पेपर लीक पर केजरीवाल का जेन जेड को संदेश, दोषियों को सजा दिलाने की अपील

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को जेन जेड से अपील की कि वे नीट परीक्षापत्र लीक के कथित दोषियों को न्याय के कटघरे में लाना सुनियचित करें। केजरीवाल ने साथ ही कहा कि अगर बांग्लादेश और नेपाल के युवा राजनीतिक बदलाव ला सकते हैं, तो भारतीय छात्र भी जवाबदेही तय करने के लिए दबाव डाल सकते हैं। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा पत्र बार-बार लीक होने की घटनाओं ने उम्मीदवारों का आत्मविश्वास हिला कर रख दिया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अतीत में की गई जांचों के परिणामस्वरूप दोषियों को कड़ी सजा मिली है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, अगर बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों में जेन जेड सरकारें बदल सकती है।

एअर इंडिया का बड़ा फैसला : अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती, कई विदेशी मार्ग निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों और जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण एअर इंडिया ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एयरलाइन अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करेगी। साथ ही, कुछ विदेशी मार्गों पर सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित की जाएंगी। यह कदम जून से अगस्त के महीनों के लिए उठाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपने नेटवर्क की स्थिरता में सुधार लाना है। एअर इंडिया ने बताया कि यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए किया जा रहा है। हवाई क्षेत्र संबंधी चुनौतियों के कारण उड़ानें संचालित करना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही, जेट ईंधन की ऊंची कीमतें भी परिचालन लागत बढ़ा रही हैं। दिल्ली-शिकागो, मुंबई-न्यूयॉर्क, दिल्ली-शंघाई और चेन्नई-सिंगापुर जैसे प्रमुख मार्गों पर सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। इनके अलावा, दो अन्य विदेशी मार्गों पर भी उड़ानों का निलंबन होगा। यह फैसला यात्रियों और यात्रा योजनाओं पर सीधा असर डालेगा। एअर इंडिया ने अपने इस फैसले के पीछे दो मुख्य कारण बताए हैं। पहला कारण हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंध हैं, जो कुछ क्षेत्रों में उड़ानों के संचालन को बाधित कर रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण जेट ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतें हैं। इन ऊंची कीमतों के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। एयरलाइन का लक्ष्य इन चुनौतियों के बीच अपनी परिचालन दक्षता बनाए रखना है।

ट्रम्प 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे, बेटा और बहू भी साथ

ईरान जंग पर कहा था, चीन की मदद की जरूरत नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार को 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे। उनका विमान बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया, जहां चीनी उपराष्ट्रपति हान जेंग ने उन्हें रिसीव किया। हान झेंग को शी जिनपिंग का भरोसेमंद माना जाता है और वे पिछले साल ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए थे। ट्रम्प के एयर फोर्स वन से उतरते समय करीब 300 बच्चे नीले और सफेद रंग की यूनिफॉर्म में एयरपोर्ट पर मौजूद थे। ये अमेरिका और चीन के झंडे लहरा रहे थे। ट्रम्प के साथ उनके बेटे एरिक ट्रम्प और बहू लारा ट्रम्प भी मौजूद थे। इस दौरान बच्चों ने मंदारिन भाषा में 'वेलकम' के नारे लगाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रम्प के बीच गुरुवार और शुक्रवार को अलग-अलग दौर की बातचीत होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स, एआई और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रम्प 15 मई तक बीजिंग में रहेंगे। यह 2017 के बाद उनका पहला चीन दौरा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की मदद की जरूरत नहीं है। ट्रम्प ने यह बयान वॉशिंगटन से बीजिंग रवाना होते समय दिया था।

सबरीमाला मामले में सुप्रीम कोर्ट

हिंदू होने के लिए मंदिर जाना जरूरी नहीं, घर में दिया जलाना काफी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सबरीमाला मामले पर सुनवाई के दौरान हिंदू धर्म को लेकर कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। 9 जजों की संवैधानिक पीठ ने कहा है कि हिंदू धर्म असल में एक वे ऑफलाइफ यानी श्जीवन जीने का एक तरीकाश् है और आस्था साबित करने के लिए मंदिर जाने की कोई जरूरत नहीं है। इस दौरान मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत ने जस्टिस बीवी नागरत्ना की बातों पर सहमति जताते हुए यह भी कहा कि अपनी आस्था साबित करने के लिए घर के अंदर दिया जलाना भी काफी है। बता दें कि सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली यह बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश और महिलाओं की धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बुधवार को इस मामले पर 15वें दिन सुनवाई हुई।

पोखरण परीक्षण की वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री बोले, इस अभियान ने भारत के अटल संकल्प को प्रदर्शित किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 1998 के परमाणु पोखरण परीक्षण को याद करते हुए कहा कि इस अभियान ने भारत के अटल संकल्प को प्रदर्शित किया और दुनिया को साबित कर दिया कि कोई भी बाहरी दबाव देश को झुकने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। श्री मोदी ने बुधवार को परमाणु परीक्षणों की वर्षगांठ के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 1998 में आज ही के दिन भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को दिखाया कि हमारे राष्ट्र का संकल्प कितना अटल है। 11 मई को हुए परीक्षणों के बाद पूरी दुनिया भारत पर दबाव बना रही थी लेकिन हमने दिखा दिया कि कोई भी शक्ति भारत को झुका नहीं सकती। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी देश द्वारा द्वितीय-पोखरण परीक्षण की एक और वर्षगांठ मनाने के अवसर पर आई है, जिसे ऑपरेशन शक्ति के रूप में भी जाना जाता है। यह भारत के रणनीतिक और रक्षा इतिहास का एक ऐतिहासिक क्षण था जिसने राष्ट्र को एक घोषित परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया। इन परीक्षणों के अंतर्गत 11 और 13 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण परीक्षण क्षेत्र में पांच परमाणु हथियारों की भूमिगत परीक्षण की गयी थी।

प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के नए कुलाधिपति सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता; नए कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी नियुक्त।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। गुवाहाटी महानगर स्थित चंद्रपुर स्थित प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक अपने तीन शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलाधिपति और कुलपति का तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत, भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता को विश्वविद्यालय का नया कुलाधिपति नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति तथा देश के अग्रणी शिक्षाविद् प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी को अगले कार्यकाल के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। आज प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के 'समुत्कर्ष भवन' में विश्वविद्यालय प्रशासन तथा इसके संस्थापक संगठन शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नव-नियुक्त कुलाधिपति और कुलपति के स्वागतार्थ एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। 'एसईआरएफ' की सचिव प्रोफेसर सुदेष्णा भट्टाचार्य द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में नव-नियुक्त पदाधिकारियों के साथ-साथ निवर्तमान कुलाधिपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी और निवर्तमान कुलपति प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा को औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण में प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय के प्रथम तीन शैक्षणिक वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। नव-नियुक्त कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी ने अपने संबोधन में उत्तर-पूर्व भारत के साथ अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक संबंधों को स्मरण किया।

उन्होंने भारतीय मूल्यों से समृद्ध उच्च शिक्षा का वातावरण निर्मित करने हेतु सभी के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। नए कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने शिक्षा के विभिन्न आयामों के साथ-साथ 'समावेशी शिक्षा' के महत्व पर प्रकाश डाला। निवर्तमान कुलाधिपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने भी अपने तीन वर्षीय कार्यकाल के अनुभव साझा किए। शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्था के अध्यक्ष गंगा प्रसाद प्रसैन ने समारोह का समापन संबोधन दिया तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर योगेश काकती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। इस समारोह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री के. एन. रघुनंदन, अजय दत्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर असम क्षेत्र के प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ, असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीपज्योति राजखोवा, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री पवन तिवारी एवं सचिव जगदीश राय चौधुरी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि, विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

6 लाख के बिजली तार चोरी,दनकौर क्षेत्र के 6 गांवों की आपूर्ति बाधित

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में मंडी श्याम नगर उपकेंद्र से जुड़ी कासना टाउन फीडर की 11 केवी लाइन से मंगलवार रात करीब 500 मीटर बिजली के तार चोरी हो गए। इस घटना के कारण आसपास के छह गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है।बिजली विभाग ने बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, चोरी हुए तारों की कीमत लगभग 6 लाख रुपये है। केबल चोरी होने से प्रभावित गांवों में बुधवार सुबह बिजली न मिलने पर ग्रामीणों को समस्या का पता चला। इसके बाद बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अचानक बिजली आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट सहित कई अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से लाइन की केबल काटी और फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरी देर रात की गई, जब इलाके में आवाजाही कम थी। विभागीय कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त लाइन का निरीक्षण कर वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास शुरू कर दिया है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वहीं, ग्रामीणों ने इलाके में बिजली उपकरणों की सुरक्षा बढ़ाने और रात में गश्त तेज करने की मांग की है।

सपा का ब्राह्मण प्रेम सिर्फ चुनावी ढोंग, सत्ता में किया अपमान- रघु मिश्रा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने समाजवादी पार्टी पर ब्राह्मण विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान और पार्टी प्रवक्ताओं की भाषा में बड़ा अंतर है। मिश्रा ने कहा कि 34 वर्षों में सपा ने कभी किसी ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया, जिससे पार्टी का असली चरित्र सामने आता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के बावजूद अखिलेश यादव ने कोई कार्रवाई नहीं की। मिश्रा ने कहा कि भाजपा और एनडीए सरकारों ने ब्राह्मण समाज को सम्मान और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी हैं, जबकि सपा केवल चुनाव के समय ब्राह्मण प्रेम दिखाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी संतों की धार्मिक यात्राओं का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। मिश्रा ने कहा कि सनातनी समाज सपा के दोहरे चरित्र को समझ चुका है और आगामी चुनाव में इसका जवाब देगा।

प्रतीक यादव के निधन पर पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुश्दी ने व्यक्त की शोक संवेदना

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। समाजवादी पार्टी के मुखिया व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव के असामयिक निधन की खबर आते ही रुदौली विधान सभा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के समाजवादी नेताओं,कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह समाचार अत्यंत दु:खद व पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय नेता जी के परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस दु:ख की घड़ी में पूरा समाजवादी परिवार सपा मुखिया अखिलेश यादव एवं उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से समाजसेवी दानिश हुसैन,सपा नेता शाह मसूद हयात,ब्लॉक अध्यक्ष विंध्या सिंह,नाजिश खां,सुरजीत चौहान,तलहा ठाकुर,आनंद शुक्ला, जगजीवन नेता,सुमित शुक्ला,अलाउद्दीन खां,अबू मोहम्मद,पूर्व प्रधान प्रतिनिधि वासिफ खां,श्रेया पटेल,राम अचल यादव,माता बख्श सिंह एवं पूर्व प्रधान इदरीश खां सहित समाजवादी पार्टी के समर्थकों व कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की।

किरतपुर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर सख्ती, ड्यूटी से गायब मिले सफाई कर्मचारी पर कार्रवाई की तैयारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता किरतपुर

किरतपुर। ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन अब सख्त नजर आ रहा है। ग्राम पंचायत चांडक तुर्क में निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारी के अनुपस्थित मिलने पर सहायक विकास अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है और संतोषजनक जवाब न मिलने पर वेतन रोकने की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार जिला पंचायत राज अधिकारी के पत्र संख्या 137 दिनांक 29 अप्रैल 2026 के निर्देशों के क्रम में सहायक विकास अधिकारी बाबूराम द्वारा सोमवार सुबह ग्राम पंचायत चांडक तुर्क का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मचारी शक्ति सिंह ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। मौके पर गांव की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित मिली, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। सहायक विकास अधिकारी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि संबंधित सफाई कर्मचारी द्वारा शासकीय सेवा एवं अपने पदेन दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित पाए जाने के चलते मई 2026 का वेतन बाधित किए जाने की चेतावनी दी गई है। साथ ही कर्मचारी को निर्देश दिए गए हैं कि वह दो दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया अथवा स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित कर्मचारी का वेतन रोकने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं जब इस पूरे मामले में सहायक विकास अधिकारी बाबूराम से फोन पर संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव करना उचित नहीं समझा। क्षेत्र में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का माहौल बना हुआ है और लोग अब गांवों में बेहतर सफाई व्यवस्था की उम्मीद जता रहे हैं।

कांग्रेसी नेता दयानंद शुक्ला की पहल पर घायल मजदूर को कंपनी से मिली आर्थिक सहायता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के रुदौली विधान सभा क्षेत्र के मवई ब्लॉक अंतर्गत नौगवा गांव निवासी अरविंद रावत जो,दिल्ली की एक निजी कंपनी में कार्यरत थे,कार्य के दौरान गंभीर हादसे का शिकार हो गए थे। दुर्घटना में उनके एक हाथ की सभी उंगलियां कट गई थीं। हादसे के बाद कंपनी मालिक द्वारा उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया तथा किसी प्रकार की आर्थिक सहायता व मुआवजा देने से इनकार कर दिया गया। पीड़ित अरविंद रावत ने लगभग दो माह पूर्व अपनी समस्या वरिष्ठ कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला को बताई। मामले को गंभीरता से लेते हुए श्री शुक्ला ने कंपनी प्रबंधन पर लगातार दबाव बनाया तथा पूर्व मंत्री नरेश चौधरी के माध्यम से दिल्ली में कंपनी मालिक से वार्ता कर पीड़ित को न्याय दिलाने का प्रयास किया। आज कंपनी की ओर से अरविंद रावत को इलाज के लिए ?2.22 लाख तथा मुआवजे के रूप में ?2.10 लाख का चेक प्रदान किया गया। आर्थिक सहायता मिलने के बाद अरविंद रावत एवं उनके परिवार ने दयानंद शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त किया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र एवं रावत समाज में खुशी का माहौल है। लोगों ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि और समाजसेवी गंभीरता से प्रयास करें तो गरीब,मजदूर और असहाय लोगों को भी न्याय मिल सकता है। श्री शुक्ला की हो रही भूरि भूरि प्रशंसा।

रात्रि में महिला पर टिप्पणी करने वाले दो युवक गिरफ्तार, बाइक सीज।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। थाना कैण्ट पुलिस ने रात्रि में ऑटो से जा रही महिला पर टिप्पणी करने के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन को भी सीज कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में आलोक मिश्रा पुत्र शशिकुमार मिश्रा निवासी लेन नंबर-2, शायर माता मंदिर, रमदत्तपुर थाना लालपुर-पाण्डेयपुर वाराणसी तथा आशुतोष सिंह पुत्र अजीत सिंह निवासी महामालपुर, कच्छवां जनपद मिर्जापुर शामिल हैं। दोनों की उम्र करीब 21 से 22 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार दिनांक 07 मई 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक महिला द्वारा वीडियो साझा किया गया था, जिसमें कुछ बाइक सवार युवक भोर के समय ऑटो का पीछा करते हुए महिला पर अभद्र टिप्पणी करते दिखाई दे रहे थे। सूचना मिलने के बाद थाना कैण्ट पुलिस ने महिला से संपर्क कर घटना स्थल की जानकारी ली और सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार जांच के बाद पुलिस टीम ने 12 मई 2026 को रात 9:30 बजे गोलघर चौराहा कचहरी क्षेत्र से दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त बाइक को भी सीज कर दिया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र, उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह, कांस्टेबल प्रमोद कुमार, अमित कुमार तथा महिला आरक्षी कमल भारती शामिल रहे।

तहसील बीकेटी में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिवक्ताओं में रोष

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का तालाब तहसील में कथित भ्रष्टाचार और अधिकारियों के व्यवहार को लेकर अधिवक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। बीकेटी बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने तहसील प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए न्यायिक कार्य के बहिष्कार की घोषणा की है। बीकेटी बार एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह एवं महामंत्री जितेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि तहसील में भ्रष्टाचार व्यापक रूप से फैला हुआ है। आरोप है कि तहसील में तैनात लेखपाल पंकज शुक्ला द्वारा क्षेत्र में मनमाने तरीके से धन उगाही की जा रही है। इस संबंध में 6 मई को जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा गया था। बताया गया कि बुधवार 13 मई 2026 को उप जिलाधिकारी बख्शी का तालाब साहिल कुमार (प्रशिक्षु आईएएस) की कथित भाषा शैली एवं कार्यशैली के विरोध में बार एसोसिएशन की आम सभा आयोजित की गई। सभा में पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार यादव, राजेंद्र कुमार सिंह यादव, रंजय सिंह चौहान, माता प्रसाद, पूर्व महामंत्री महेश रावत, लाल बहादुर यादव, बलबीर सिंह, संजय सिंह बरेली, उपाध्यक्ष राम सागर रावत, विनय प्रताप सिंह, हिमांशु द्विवेदी, सोहनलाल वर्मा, सत्यम सिंह चौहान, परेश रावत समेत कई अधिवक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभा की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने निर्णय घोषित करते हुए कहा कि उप जिलाधिकारी की कथित अभद्र भाषा शैली एवं व्यवहार से क्षुब्ध होकर अधिवक्ता 13 मई से 16 मई तक उनके न्यायालय के न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि इस अवधि में उनका स्थानांतरण नहीं किया गया तो 16 मई को पुन: बैठक कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। महामंत्री जितेंद्र बहादुर सिंह ने आरोप लगाया कि उप जिलाधिकारी द्वारा न तो वादों में समय से आदेश पारित किए जा रहे हैं और न ही अधिवक्ताओं के साथ व्यवहार उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि लेखपाल पंकज शुक्ला से जुड़े मामले में वार्ता के दौरान भी अधिकारियों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जिसके बाद अधिवक्ताओं को आंदोलन का निर्णय लेना पड़ा। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्व भी कई अधिवक्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत जिलाधिकारी लखनऊ को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इस पूरे मामले को लेकर अधिवक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है।

48 घंटे में सुलझाई वाहन चोरी की गुत्थी, शातिर चोर गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दुबग्गा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए वाहन चोरी की दो वारदातों का मात्र 48 घंटों के भीतर खुलासा किया है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मछली मंडी रोड के पास से शब्बू आलम नामक अभियुक्त को गिरफ्तार किया, जो मूल रूप से हरदोई का निवासी है। अभियुक्त के पास से शोएब मिर्ज़ा और मोहम्मद सरताज की चोरी हुई दो एक्टिवा स्कूटी (यूपी 32 के.डी. 8994 और यूपी 32 के.डी. 9759) बरामद की गई हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

अपराजिता गुप्ता की वार्ता का प्रसारण 14 मई को आकाशवाणी नजीबाबाद से किया जाएगा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता बिजनौर

बिजनौर। उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत कार्यरत सहायक अध्यापिका अपराजिता गुप्ता की विशेष वार्ता ऊर्जा संरक्षण में महिलाओं की भूमिका का प्रसारण 14 मई को दोपहर 1:15 बजे आकाशवाणी नजीबाबाद केंद्र से प्रसारित होगा। इस वार्ता में अपराजिता गुप्ता ऊर्जा संरक्षण तथा दैनिक जीवन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। वे बताएंगी कि किस प्रकार महिलाएँ घर-परिवार में बिजली, पानी और ईंधन की बचत कर समाज को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक बना सकती हैं। साथ ही रसोई में ऊर्जा की बचत, अनावश्यक विद्युत उपकरणों का सीमित उपयोग, सौर ऊर्जा को बढ़ावा तथा आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करने जैसे विषयों पर भी प्रकाश डालेंगी। कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर शिक्षा विभाग एवं क्षेत्र के शिक्षकों में उत्साह का वातावरण है। इस अवसर पर बिजनौर के बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना तथा सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.प्रभात कुमार ने अपराजिता गुप्ता को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार अपने ज्ञानवर्धक विचारों से समाज को जागरूक करती रहेंगी। उन्होंने इसे जनपद बिजनौर के लिए गौरव का विषय बताते हुए अपराजिता गुप्ता के उवल भविष्य की कामना की।

जबरन समायोजन के खिलाफ शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बाराबंकी। समायोजन-3 के अंतर्गत कनिष्ठ शिक्षकों के समायोजन के निर्णय के विरोध में शिक्षकों ने सोमवार को जिलाधिकारी बाराबंकी को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में एकत्रित शिक्षकों ने कहा कि प्रस्तावित समायोजन से कनिष्ठ शिक्षकों के अधिकार एवं सेवा हित प्रभावित होंगे क्योंकि हर बार कनिष्ठ शिक्षकों का ही समायोजन विभाग द्वारा किया जा रहा है। शिक्षकों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि समायोजन प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए तथा कनिष्ठ शिक्षकों के हितों को सुरक्षित रखते हुए निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए वरिष्ठ शिक्षकों के समायोजन का विकल्प सुझाया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि रिट याचिका संख्या ड्ढ्रञ्जह्र-5232/2024 में 6 नवंबर 2024 तथा रिट याचिका संख्या स्स/25238/2018 में 11 दिसंबर 2018 को पारित आदेशों के अनुसार कनिष्ठ अध्यापकों का समायोजन न किए जाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि शासनादेश संख्या 2251/68-5-2026 दिनांक 4 मई 2026 के तहत परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक और अध्यापिकाओं के समायोजन के निर्देश जारी किए गए हैं। ऐसे में मांग की गई है कि समायोजन की पूरी प्रक्रिया न्यायालय के आदेशों के अनुरूप पूरी कराई जाए और कनिष्ठ अध्यापकों को इस प्रक्रिया से अलग रखा जाए। इस अवसर पर रोहित सिंह, अभिषेक सिंह, अंकुर सिंह,अमृता सिंह चौहान , कनीज फातिमा सिद्दीकी, विभा सिंह, दिव्या रानी, शैलेन्द्र कुमार यादव, अनुज कुमार,कृष्ण प्रताप सिंह, लिली श्रीवास्तव, निर्मला, निधि प्रकाश सक्सेना समेत लगभग 150- 200 की संख्या में अध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाई एवं दिया। जिस पर डीएम सर द्वारा तदर्थ समिति के सामने हम सभी की बात रखने का भी आश्वासन दिया गया ।

हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की

खुशी मनाई एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। भारतीय जनता पार्टी वाराणसी के जिला अध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा को मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य मंत्री बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी अरविंद विश्वकर्मा के प्रतिष्ठान कोतवाली रोड नजीबाबाद पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर अरविंद विश्वकर्मा ने कहा कि विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा समाज के लिए एवं कार्यकर्ताओं के लिए सदैव समर्पित रहते हैं। वह हर समय जनहित के कार्यों में लगे रहते हैं। उन्होंने कई मामलों में जनपद बिजनौर में आवश्यकता पड़ने पर कार्यकर्ताओं की मदद की है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्दी उनका जनपद बिजनौर में आगमन होगा और स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा सुधीर कुमार भुईयार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनके एवं मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बने सभी नेताओं से सहयोग से और मजबूत होगी। चौधरी ईशम सिंह ने कहा कि आगामी 2027 के होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनाए गए हंसराज विश्वकर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डॉ. सुमन सोमेंद्र तोमर के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनने से बहुत लाभ होगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री बलराज त्यागी मंडल अध्यक्ष वरुण आत्रेय ने कार्यकर्ताओं को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर जिला महामंत्री बलराज त्यागी, आशीष सिंघल, वरुण आत्रेय, अरविन्द विश्वकर्मा, रितेश सैन, चौ. योगेंद्र सिंह, चौधरी ईशम सिंह, कोमल विश्वकर्मा, अरविंद धीमान, ऋतिक विश्वकर्मा, तनिष्क कुमार, पूर्व नगर अध्यक्ष आशु अग्रवाल, कोमल कुमार हल्दिया, सभासद दीपक वाल्मीकि, शोभित चौधरी आदि उपस्थित रहे।

डैलिम्स सनबीम स्कूल रोहनियाँ का शानदार प्रदर्शन, सीबीएसई 12वीं में रहा शत-प्रतिशत परिणाम।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। सेंट्रल बोर्ड का सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा घोषित कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम 2026 में डैलिम्स सनबीम स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। सत्र 2025-26 में विद्यालय से कुल 339 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे और सभी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लेकर खुशी व्यक्त की। संस्था के अध्यक्ष डॉ प्रदीप बाबा मधोक ने मेधावी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का अंतिम सत्य नहीं होती, बल्कि निरंतर सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परिणाम प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित की गई, जिसके कारण तकनीकी विलंब और समन्वय संबंधी चुनौतियां स्वाभाविक थीं। संस्था की निदेशिका Pooja Madhok ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के धैर्य, अनुशासन और भविष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। संस्था के एडिशनल डायरेक्टर Bahir Madhok ने छात्रों के उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका भी सराहनीय रही है। डीन ऑफ एकेडमिक Subhodeep Dey ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रमाण है। वहीं प्रधानाचार्या Gurmeet Kaur ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था की सभी शाखाओं – रामकटोरा, सिगरा एवं रोहनियाँ – के प्रधानाचार्य, उपप्रधानाचार्य, हेड मिस्ट्रेस एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एस.आर. ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

PRIYA YADAV
PERCENTAGE 96.6%

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। 13 मई 2026 सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में इस वर्ष भी एस.आर. ग्लोबल स्कूल, लखनऊ के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की सफलता ने विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को एक बार फिर साबित किया है। विद्यालय की छात्रा कुमारी प्रिया यादव ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कुमारी कासनी मिश्रा ने 95.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा शौर्य चौहान ने 95 प्रतिशत, कावेरी अवस्थी ने 94 प्रतिशत तथा श्रेष्ठ वर्मा ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस वर्ष कुल 53 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि अधिकांश छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की।

लगातार उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के चलते विद्यालय क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। टॉपर छात्राओं प्रिया यादव और कासनी मिश्रा ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान, शिक्षकों एवं अभिभावकों को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में मिला सकारात्मक वातावरण, नियमित मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनकी सफलता का मुख्य आधार रहा। विद्यालय के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकगण को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का यह परिणाम है। उन्होंने सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली की सराहना करते हुए इसे पारदर्शी एवं निष्पक्ष व्यवस्था बताया। वहीं विद्यालय के वाइस चेयरमैन श्री पीयूष सिंह चौहान ने भी विद्यार्थियों के अनुशासन, परिश्रम और लगन की प्रशंसा करते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता साइकिल से निकले आफिस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वैश्वीक परिस्थितियों के चलते देश में ऊर्जा संकट, पेट्रोलियम पदार्थों की बचत, विदेशी मुद्रा के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता बुधवार को डायमंड टावर, उदयगंज स्थित अपने निवास स्थान से 7 किलो मीटर साइकिल चला कर अपने लेखराज मेट्रो स्टेशन ,अयोध्या रोड स्थित उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय पहुचे। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा वर्तमान में वैश्विक परिस्थितियों के कारण देश के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां आई हैं इसमें पेट्रोलियम पदार्थों, कुकिंग गैस एवं ऊर्जा का संकट भी एक बड़ा संकट है ऐसे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील के महत्वपूर्ण मायने हैं आज की बचत कल की सुरक्षा निश्चित रूप से हमेशा सिद्ध होती है। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री की अपील एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवाहन पर उन्होंने निर्णय लिया है कि परिस्थितियों के सामान्य होने तक सप्ताह में एक दिन साइकिल चला कर अपने निवास से लेखराज मेट्रो स्टेशन ,अयोध्या रोड स्थित आदर्श व्यापार मंडल के अपने कार्यालय जाएंगे एवं कम से कम 3 दिन मेट्रो ट्रेन से अपने कार्यालय जाने का निर्णय लिया है तथा केवल दिन में अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में जाने हेतु चार पहिया वाहन का प्रयोग करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा निश्चित रूप से यह समय देश की पेट्रोलियम पदार्थों की ऊर्जा शक्ति एवं विदेशी मुद्रा को बचाने का है तथा एक दूसरे को इस हेतु जागरूक एवं प्रेरित करने का है तथा भविष्य में किसी प्रकार के संकट से निपटने एवं देश को मजबूत करने तथा प्रधान मंत्री के निर्णय के साथ रहने का है। उन्होंने सभी व्यापारियों एवं नागरिकों से भी हर सम्भव रूप से पेट्रोल, डीजल ,बिजली एवं अन्य संसाधनों की अधिक से अधिक बचत करने की अपील की तथा साथ ही साथ विदेशी मुद्रा को बचाने हेतु जो भी संभव उपाय हो वह करने की अपील की।

भंडारा, सुंदरकांड और हवन कार्यक्रमों में उमड़ा जनसैलाब, डॉ राजेश्वर सिंह ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

❑ सनातन सेवा और धर्म संरक्षण के संकल्प के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजनों में शामिल हुए डॉ राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बड़े मंगल के पावन अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित 12 से अधिक भंडारा, सुंदरकांड, हवन, प्रसाद वितरण एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता कर सनातन संस्कृति, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। दिनभर चले इन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं का भारी जनसमूह उमड़ा और हर स्थान पर बजरंगबली के जयघोष गूंजते रहे। अलीगंज स्थित रविंद्र गार्डन में आयोजित बड़ा मंगल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया तथा भक्तों का अभिवादन स्वीकार किया। वहीं राजपूताना, शहीद पथ के निकट आयोजित प्रसाद वितरण एवं भंडारा कार्यक्रम में बड़े भाई रामेश्वर सिंह के साथ सम्मिलित होकर सेवा कार्यों में सहभागिता की। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदंबिका पाल, योगेन्द्र अवाना, प्रभुनाथ राय, आईएएस संजीव रंजन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गहरू पिपरसंड रोड स्थित संकट मोचन हनुमान संग्रहालय में आयोजित 16वें विशाल भंडारा कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह ने मंदिर की छत निर्माण हेतु ?50,000 की सहयोग राशि प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। श्री झाड़ेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह ने मंदिर परिसर में स्थापित वाटर कूलर का उद्घाटन किया तथा गुरुकुल में वेद अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त डॉ राजेश्वर सिंह ने रत्नाकर खंड, साउथ सिटी में आयोजित विशाल भंडारा एवं सुंदरकांड कार्यक्रम, आशियाना सेक्टर स्नेह खंड जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित विशाल भंडारा तथा वृंदावन पैलेस में आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं महाप्रसाद सेवा कार्यक्रम में सहभागिता की। खाडे देव, बंथरा में आयोजित श्री बजरंगबली जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं भंडारा कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। वहीं मिर्जापुर औरंगाबाद खालसा, सेक्टर-ह में आयोजित हवन एवं विशाल भंडारा तथा चौक स्थित श्री कोनेश्वर महादेव मंदिर में स्वर्गीय आशुतोष टंडन 'गोपाल जी' की स्मृति में आयोजित विशाल भंडारे में भी उन्होंने सहभागिता कर श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा कि बड़ा मंगल केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, दान और सामाजिक समरसता का महापर्व है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाने की प्रेरणा देती है तथा यही भारत की सांस्कृतिक शक्ति का आधार है। सरोजनीनगर में डॉ राजेश्वर सिंह का आस्था और सम्मान अभियान बना सनातन संरक्षण का प्रतीक सरोजनी नगर विधानसभा में डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा 27 सितम्बर 2022 से निरंतर रामोत्सव श्रवण अयोध्या यात्रा संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से अब तक 57 यात्राओं में 150 बसों द्वारा 8000 से अधिक श्रद्धालुओं को श्रीराम लला, हनुमानगढ़ी एवं अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा चुके हैं। यात्रा के दौरान दर्शनार्थियों के लिए जलपान, भोजन, सुरक्षित यात्रा एवं रामचरितमानस वितरण की व्यवस्था भी की जाती है। डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा अब तक 220 से अधिक मंदिरों में सीएसआर के माध्यम से हैंडपंप, सोलर लाइट एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार हेतु ?30 लाख से अधिक की धनराशि निजी संसाधनों से प्रदान की जा चुकी है। झाड़ेश्वर मंदिर के विकास हेतु ?5 करोड़ 32 लाख, रितेश्वर मंदिर हेतु लगभग ?1.05 करोड़ तथा परवर पश्चिम स्थित जल साईनाथ मंदिर हेतु ?1 करोड़ की धनराशि से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। वहीं नीलेश्वर मंदिर एवं बनी क्षेत्र के मंदिरों के सौंदर्यीकरण पर भी करोड़ों रुपये व्यय किए गए हैं। प्राचीन झाऊश्वर मंदिर, हरौनी में कार्य तथा महाशिवरात्रि के अवसर पर 1 किलो चांदी का मुकुट भी अर्पित किया गया।

वृद्ध महिला ने थाना प्रभारी को संबोधित प्रार्थना पत्र मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाई

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। 70 वर्षीय वृद्ध आमना निवासी फजलपुर तबेला थाना नजीबाबाद बिजनौर ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा कि उसके गांव का जाहिद, वाजिद, वाहिद, अनस का परिवार उसके परिवार से जाति रंजिश रखता है, जो आए दिन उसके परिवार व उसके लड़कों पर हमला करते रहते हैं, जिनके खिलाफ पीड़ित महिला ने माननीय न्यायालय सी जे एम बिजनौर में वाद संख्या 10206/2025 दायर किया हुआ है, जो न्यायालय में विचाराधीन है, जिस पर फैसला करने के लिए जाहिद जो एक तांत्रिक है, आए दिन दबाव बनाता रहता है। पीड़ित महिला को अपने बच्चों की जान का खतरा है, इसलिए वह फैसला नहीं करती है। महिला ने आरोप लगाया है कि 12 मई 2026 को शाम 6:00 बजे वाजिद, जाहिद, अनस, गुलशाना, जुबेदा हाथों में लाठी-डंडे लिए एक राय होकर उसके घर में आ घुसे और

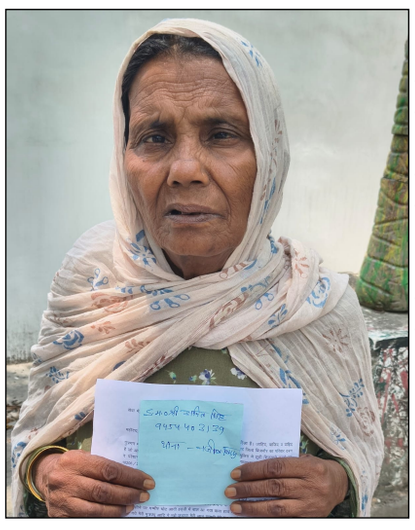

गंदी-गंदी मां बहन की गालियां देते हुए पीड़िता पर जानलेवा हमला बोल दिया एवं लाठी-डंडों से बुरी तरह मारपीट की। पीड़िता अपने पुत्र के साथ थाना नजीबाबाद गई और घटना के लिखित में सूचना दी और अपना मेडिकल कराने के लिए कहा। आरोपी थाने पहुंच गए और उन्होंने अपनी सेटिंग कर ली। थाने में पीड़िता की रिपोर्ट लिखी गई, उसे रसीद भी नहीं दी गई और उसका मेडिकल भी नहीं कराया गया। पीड़िता बुधवार दोपहर 12:00 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय बिजनौर पहुंची, जहां से उसे थाना नजीबाबाद भेजा गया, जहां पर थाना प्रभारी ने पीड़ित महिला को समीपुर अस्पताल भेज कर मेडिकल कर लिया है और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। मुलजिमान उपरोक्त पीड़िता व उसके परिवार को गांव से उजाड़ने, उसके लड़कों को जेल भिजवाने की धमकी देते खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित महिला ने अपनी व अपने लड़कों की जान की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों को जेल भिजवाने की मांग की है।

उप डाकघर झूंसी में 20 से 22 मई तक लगेगा मोबाइल पासपोर्ट वैन शिविर

❑ प्रयागराज में नागरिकों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी पासपोर्ट सुविधा, प्रतिदिन 50 अपॉइंटमेंट उपलब्ध

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। पासपोर्ट सेवाओं को आम नागरिकों तक सुलभ एवं स्थानीय स्तर पर पहुंचाने की दिशा में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ ने मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा का विस्तार करते हुए प्रयागराज जनपद के उप डाकघर, झूंसी में तीन दिवसीय मोबाइल पासपोर्ट वैन शिविर आयोजित करने की घोषणा की है। यह शिविर 20 मई से 22 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिससे नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध हो सकें। इस विशेष शिविर में प्रतिदिन 50 सामान्य अपॉइंटमेंट निर्धारित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक पासपोर्ट सेवा पोर्टल पर जाकर केंद्र के रूप में वैन-1 का चयन करते हुए अपना अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। निर्धारित तिथि पर आवेदक उप डाकघर, झूंसी स्थित वैन-1 केंद्र पर अपने आवेदन जमा कर सकेंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ द्वारा मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा की शुरुआत महोबा जनपद से की गई थी। इसके बाद यह सुविधा चित्रकूट, बस्ती, चंदौली, सोरांव, फूलपुर, भटपार रानी तथा रामपुर कारखाना सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक संचालित की जा चुकी है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को पासपोर्ट सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ ने बताया कि भविष्य में भी नागरिक-केंद्रित सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से ऐसे शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक पासपोर्ट सेवाएं सरलता से पहुंचाई जा सकें।

रचनात्मक कांग्रेस बनेगी विपक्षी एकजुटता की नई ताकत, विधानसभा चुनाव में निभाएगी निर्णायक भूमिका- संदीप दीक्षित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक और वैचारिक विस्तार की दिशा में बड़ा संकेत देते हुए रचनात्मक कांग्रेस विभाग को सक्रिय रूप से मैदान में उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने कहा कि यह विभाग कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को सामाजिक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ चुनाव में प्रभावी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस विभाग उन सामाजिक संगठनों, समुदायों, बुद्धिजीवियों, सिविल सोसाइटी समूहों और जनआंदोलन से जुड़े लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करेगा, जो संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के मूल्यों में विश्वास

रखते हैं। संदीप दीक्षित ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस हमेशा से विविध सामाजिक समूहों और जनसरोकारों से जुड़े आंदोलनों के साथ खड़ी रही है और अब इस जुड़ाव को संगठित रूप दिया जाएगा। संदीप दीक्षित ने कहा कि देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल में संवाद आधारित, सकारात्मक और जनहित केंद्रित राजनीति की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि सिविल सोसाइटी के सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संगठन की कार्यशैली, जनसरोकारों और रचनात्मक राजनीति को लेकर व्यापक चर्चा की गई है, जिसमें कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस का उद्देश्य केवल राजनीतिक विस्तार नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच विश्वास और सहभागिता का वातावरण तैयार करना है। हम आम लोगों की मंशा, उनकी समस्याओं और सामाजिक अपेक्षाओं को समझते हुए एक ऐसा मंच तैयार करना चाहते हैं, जहां संवाद और सहभागिता के माध्यम से राजनीति को जनहित से जोड़ा जा सके, उन्होंने कहा। प्रेसवार्ता में वार रूम प्रभारी संजय दीक्षित, मीडिया वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी, वरिष्ठ प्रवक्ता अंषु अवस्थी, प्रवक्ता अलीमुल्ला खान तथा प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समाचार

युवक की बेरहमी से हत्या मुख्य आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना बाज़ारखाला क्षेत्र में युवक की बेरहमी से हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने मामूली विवाद के बाद लकड़ी की फंटी से युवक के चेहरे और आंख पर लगातार वार कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 12 मई 2026 को अग्रसेन पार्क, तिलक नगर में दो दोस्तों के बीच खाने-पीने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लकड़ी की फंटी से हमला कर विजय गौतम नामक युवक की निर्मम हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। भागते समय आरोपी ने हत्या में प्रयुक्त फंटी को रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में फेंक दिया था। घटना की सूचना मिलते ही थाना बाजारखाला पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। जांच के दौरान आरोपी देवेन्द्र कुमार उर्फ पिन्टू हरिजन की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उसे हैदरगंज तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक विजय गौतम उसका दोस्त था और दोनों अक्सर साथ में शराब पीते थे। घटना वाले दिन भी दोनों ने शराब पी थी, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोपी ने गुस्से में आकर लकड़ी की फंटी से कई वार कर विजय की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लकड़ी की फंटी बरामद कर ली है। मामले में थाना बाजारखाला में हत्या की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेधावी छात्रों की माताओं का विशेष सम्मान मातृ दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बीएलएस इंटर कॉलेज ठाकुरगंज में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों की माताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि Neeraj Bora ने विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय गंगा प्रसाद साहू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इंटरमीडिएट में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र आलोक कुमार की माता तथा हाईस्कूल में 93 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली छात्रा युशरा नौशाद की माता को उनके वजन के बराबर फलों से तौलकर सम्मानित किया गया। साथ ही मेधावी छात्रों को मिक्सर ग्राइंडर और फ्रिज जैसे उपहार भी दिए गए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खेल प्रतियोगिताओं ने सभी का मन मोह लिया। डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि माताओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है और मां का स्थान जीवन में सर्वोपरि होता है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

प्रतीक यादव के निधन पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जताया दुःख

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं 'पद्म विभूषण' से सम्मानित स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र तथा अपर्णा यादव के पति के पति प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद समाचार पर उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने गहरा शोक व्यक्त किया है। खन्ना ने अपने शोक संदेश में कहा कि प्रतीक यादव का असामयिक निधन अत्यंत पीड़ादायक और मर्माहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह अपूरणीय क्षति केवल परिवार ही नहीं,बल्कि उनके शुभचिंतकों और समाज के लिए भी बेहद दुखद है। वित्त मंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

प्रतीक यादव के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया दुख, श्रद्धा सुमन अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

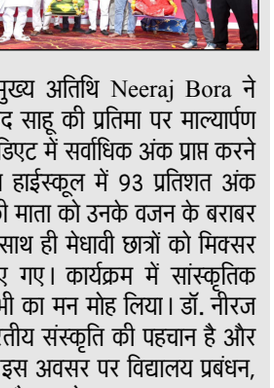

लखनऊ। सपा संस्थापक स्व.मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र एवं भाजपा नेत्री व उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार की सुबह असामयिक निधन हो गया। प्रतीक यादव को तबीयत खराब होने पर सुबह सिविल अस्पताल ले जाया गया जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया 7उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने भाई प्रतीक यादव के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रतीक यादव (38 वर्ष) का निधन 13 मई 2026 की सुबह हुआ, जिसके बाद अखिलेश यादव ने इसे बेहद दुखद बताया और परिवार के प्रति संवेदना जताई। भाई के निधन पर गहरा दुख जताते हुए अपनी प्रतिक्रिया में अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने प्रतीक को बचपन से देखा है और यह परिवार के लिए गहरा सदमा है। मौत की जांच को लेकर उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में परिवार एक साथ है। कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, उस कानूनी रास्ते को अपनाया जाएगा। अखिलेश यादव की पत्नी सांसद श्रीमती डिम्पल यादव ने प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीबीएसई ने 12वीं का परीक्षा परिणाम किया जारी

➲ बेटियों का दबदबा कायम, अदिति ने 99.2 तो ऐश्वर्या ने 99 प्रतिशत अंक किए हासिल

अदिति मिश्रा 99.2

ऐश्वर्या पाण्डेय 99%

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। परिणाम आते ही राजधानी लखनऊ के कई स्कूलों में जश्न का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर अपने परिवार, शिक्षकों और स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूलों मेधावी छात्र-छात्राओं को मिठाई और फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। लखनऊ में रानी लक्ष्मी बाई स्कूल की छात्रा अदिति शर्मा ने 99.02 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार सफलता प्राप्त की है। वहीं इसी कॉलेज की ऐश्वर्या ने 99 प्रतिशत अंक हासिल किए है। इस बार 17 फरवरी से 9 अप्रैल तक 12वीं के एग्जाम हुए थे। कॉपियां ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के तहत चेक की गईं। डॉक्टर बनना चाहती है अदिति अदिति ने बताया कि वह आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा दी थी, लेकिन परीक्षा रद्द होने के बाद अब वह दोबारा तैयारी कर परीक्षा में बैठेंगी। अदिति ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों, परिवार और अपनी निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी हम लगातार एक्टिव रहे। एआई टूल्स के माध्यम से हमने सवालों के बेहतर जवाब लिखना सीखा। लंबे उत्तरों को कैसे संक्षिप्त और प्रभावी तरीके से लिखा जाए, यह समझा। सिविल सर्विस की करेंगी तैयारी सीबीएसई बोर्ड की कक्षा-12 की परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली ऐश्वर्या पांडे ने बताया कि हाईस्कूल में उनके 97 प्रतिशत अंक आए थे, लेकिन इस बार उन्होंने और अधिक मेहनत की थी। शिक्षकों का सहयोग मिला और स्कूल से लगातार जुड़ी रही। यही वजह है कि अच्छे अंक हासिल हुए। मेरा सपना आईएएस अधिकारी बनने का है। मैं सिविल सर्विस की तैयारी करना चाहती हूं, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकूं।

होटल में 25वीं मैरिज एनिवर्सरी पर पार्किंग से बाइक चोरी, होटल मालिक व मैनेजर पर केस दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आलमबाग कोतवाली इलाके में संचालित एक निजी होटल में 25वीं मैरिज एनिवर्सरी कार्यक्रम दौरान होटल पार्किंग से युवक की बाइक चोरी हो गई। वहीं पीड़ित ने होटल मालिक सहित मैनेजर पर लापरवाही का आरोप लगा केस दर्ज कराया है। आलमबाग कोतवाली इलाके स्थित मवैया निवासी भूपेन्द्र नाथ गुप्ता पुत्र रामनाथ गुप्ताने बताया उसकी 25वीं मैरिज एनिवर्सरी बीते 28 अप्रैल को ब्लंट स्कायर मवैया स्थित निजी होटल में आयोजित थी। उसने दो दिन पूर्व होटल का बैंक्वेट बुक कराने दौरान उसने कार्यक्रम में करीब 100 मेहमान शामिल होने की बात कही तब होटल मैनेजर ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि पार्किंग में गार्ड मौजूद रहता है सभी वाहन पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। आरोप है कि 28 अप्रैल को रात करीब 11 बजे कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह पार्किंग पहुंचा तो होटल पार्किंग में में खडी उसकी बाइक संख्या यूपी 32 एम ए 2679 होटल पार्किंग में मौजूद नहीं थी। जिसकी खोजबीन के दौरान जब उसने होटल मैनेजर से पूछताछ की और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज दिखाने को कहा तो होटल मैनेजर ने कैमरा दिखाने से इनकार कर दिया। जिसके चलते उसने होटल मालिक अभिमन्यु तिवारी सहित मैनेजर पर मिलीभगत से बाइक चोरी का आरोप लगा स्थानीय आलमबाग कोतवाली में पुलिस से शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर सोमवार को केस दर्ज कर जांच कार्रवाई किया जा रहा है।

सीबीएसई परीक्षा में चमका क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज का परचम, 96.2% अंक लाकर उत्कर्ष राज बने विद्यालय के गौरव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। शांति नगर स्थित क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर खुशी, उत्साह और जश्न के माहौल से गूंज उठा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से सफलता हासिल की जा सकती है। परीक्षा परिणाम में विद्यालय का प्रदर्शन शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस वर्ष विद्यालय से कुल 106 छात्र-छात्राएं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए थे और सभी छात्र सफल रहे। विद्यालय के चेयरमैन इंजीनियर योगेंद्र सचान ने परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की मेहनत का ही नहीं बल्कि शिक्षकों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का भी परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देता है, जिसका सकारात्मक परिणाम हर वर्ष देखने को मिलता है। विद्यालय के मेधावी छात्र उत्कर्ष राज ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया। वहीं अली रजा ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त

कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्रों की इस शानदार सफलता पर विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने भी बेहतर अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। टॉपर उत्कर्ष राज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि नियमित पढ़ाई, समय का सही प्रबंधन और कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने से उन्हें यह सफलता मिली। उत्कर्ष ने कहा कि वह प्रतिदिन लगभग 10 से 12 घंटे अध्ययन करते थे और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पूरी एकाग्रता के साथ परीक्षा की तैयारी की। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की सलाह दी। वहीं अली रजा ने कहा कि निरंतर अभ्यास और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें यह मुकाम हासिल करने में मदद की। उन्होंने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई का वातावरण काफी सकारात्मक है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। अभिभावकों ने भी विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों और प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। शिक्षकों ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि पूरे वर्ष विद्यार्थियों ने पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन किया था। नियमित टेस्ट, विशेष कक्षाएं और समय-समय पर कराई गई शैक्षणिक गतिविधियों का विद्यार्थियों को काफी लाभ मिला। यही कारण है कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगातार बेहतर होता जा रहा है। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज अनुशासन, आधुनिक शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जाना जाता है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता रहेगा, ताकि वे भविष्य में देश और समाज का नाम रोशन कर सकें।

160 रन बनाकर कैसे जीतते हैं मैच

सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंची गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि पहले बल्लेबाजी करना उनकी टीम के लिये फायदेमंद रहा। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजा था। गुजरात के पांच विकेट पर 168 रन के जवाब में सनराइजर्स 14 . 5 ओवर में 86 रन पर आउट हो गए। गिल ने मैच के बाद कहा ,'' पहले बल्लेबाजी करना हमें रास आया। हमने अच्छी गेंदबाजी भी की जो जरूरी था।'' उन्होंने कहा ,'' हमने इस पर बात की थी कि अगर 160 . 170 रन बना लिये तो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनके लिये आसान नहीं होगा। हमने पावरप्ले में बेहतरीन गेंदबाजी की। हमारे दोनों गेंदबाजों को शाबासी।'' उन्होंने कहा ,'' हम किसी खास शैली या ब्रांड का क्रिकेट नहीं खेलते हैं। हम हालात का आकलन करके उसके मुताबिक खेलते हैं।

जब वो कवर पर मारे तो गेंदबाज खतरे में

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बल्लेबाज डेविड मिलर के शानदार प्रदर्शन की सराहना की, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने न सिर्फ लेग साइड पर दबदबा बनाए रखा बल्कि ऑफसाइड और कवर के ऊपर से आक्रामक शॉट भी खेले, जो उनके पूर्ण नियंत्रण का संकेत था। बांगर ने पंजाब की गेंदबाजी में विविधता की कमी की आलोचना की, क्योंकि वे ज्यादातर अनुमानित लेंथ और वाइड यॉर्कर पर निर्भर थे, धीमी गेंदों या कटर के बजाय। दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स पर रोमांचक तीन विकेट की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 प्लेऑफ की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। डेविड मिलर की 28 गेंदों पर खेली गई सनसनीखेज 51 रनों की पारी ने उनकी टीम को शानदार जीत दिलाई। बंगर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि जब डेविड मिलर पूरी लय में होते हैं, तो वो सिर्फ लेग साइड पर ही दबदबा नहीं कायम रखते। हम सब जानते हैं कि वो डीप मिड-विकेट और लॉन्ग ऑन के पार आसानी से छक्का मार सकते हैं। लेकिन जब वो ऑफसाइड और कवर्स के ऊपर से जोरदार शॉट लगाने लगते हैं, तो समझ जाइए कि वो एक अलग ही स्तर पर हैं। तब गेंदबाजों को समझ आ जाता है कि वे मुश्किल में हैं। गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी और आउटफील्ड पर थोड़ी ओस भी थी। उन्होंने कहा कि इस संयोजन ने पिच को बल्लेबाजी के लिए और भी अनुकूल बना दिया। गेंद फिसलती हुई आगे बढ़ी और मिलर को अपने शॉट्स पर ज्यादा जोर नहीं लगाना पड़ा। उन्होंने बस सही समय पर शॉट लगाए और गेंद तेजी से निकल गई। पंजाब के गेंदबाजों ने धीमी गति की गेंदों का इस्तेमाल न के बराबर किया। उन्होंने न तो गति बदलने की कोशिश की और न ही कटर गेंदों का प्रयोग किया। उन्होंने या तो वाइड यॉर्कर फेंकी या फिर अनुमान के मुताबिक लेंथ की गेंदें। मिलर को चकमा खाने की चिंता नहीं थी। उन्होंने शुरुआत में ही लेंथ को भांप लिया, सही पोजीशन ली और जमकर बल्लेबाजी की। यह एक साफ-सुथरी और आक्रामक पारी थी। उन्होंने सिर्फ रन ही नहीं बनाए, बल्कि एक मिसाल कायम की। जब मिलर इस तरह बल्लेबाजी करते हैं, तो वे अकेले दम पर मैच का रुख बदल सकते हैं। मिलर ने तीन चैकों और चार छक्कों की मदद से अपने किलर मिलर वाले नाम को सही साबित करते हुए 28 गेंदों में 51 रन बनाए, जिससे उन्होंने पीबीकेएस के स्पिन आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और आवश्यक रन रेट को नियंत्रण में बनाए रखा। अक्षर और मिलर के बीच 34 गेंदों में 64 रनों की साझेदारी ने दूसरी पारी की रीढ़ की हड्डी बनकर संभावित हार को एक शानदार लक्ष्य की ओर मोड़ दिया।

रेस में पंजाब का अहम मुकाबला

पिछले चार मैच में हार से आहत पंजाब किंग्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स की टीम लगातार चार मैच हार चुकी है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। उसकी टीम को अगर शीर्ष चार में जगह पक्की करनी है तो उसे अपने शेष बचे मैचों में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। पंजाब कुछ समय पहले तक टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी

267 करोड़ से ज्यादा कमाएंगे मेसी !

मेजर लीग सॉकर के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, सब पीछे छूटे

मुंबई। फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने मेजर लीग सॉकर में नया रिकॉर्ड बना दिया है। इंटर मियामी के साथ उनके नए कॉन्ट्रैक्ट के तहत उन्हें 28.33 मिलियन डॉलर (करीब 267 करोड़ रुपये) की गारंटीड कमाई मिलेगी। यह लीग के किसी भी दूसरे खिलाड़ी से दोगुने से ज्यादा है। मेसी की मौजूदगी से इंटर मियामी का कुल पेरोल भी सबसे ऊपर पहुंच गया है। लियोनल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी लोकप्रियता और बाजार कीमत आज भी सबसे अलग है। इंटर मियामी के साथ नए कॉन्ट्रैक्ट के बाद मेसी की सैलरी में बड़ा इजाफा हुआ है। मेजर लीग सॉकर प्लेयर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मेसी को 25 मिलियन डॉलर बेस सैलरी और कुल 28.33 मिलियन डॉलर (करीब 267 करोड़ रुपये) गारंटीड कॉम्पनसेशन मिलेगा। यह रकम लीग के किसी भी अन्य खिलाड़ी से दोगुने से ज्यादा है। इंटर मियामी का खर्च सबसे ज्यादा मेसी के आने के बाद इंटर मियामी का कुल पेरोल 54.6 मिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह दूसरे नंबर की टीम एलएएफसी से 20 मिलियन डॉलर ज्यादा है। वहीं लीग की सबसे कम खर्च करने वाली टीम फिलेडेलफिया यूनियन है, जिसका पेरोल 11.7 मिलियन डॉलर है। यह आंकड़ा दिखाता है कि इंटर मियामी ने मेसी के इर्द-गिर्द मजबूत टीम बनाने में भारी निवेश किया है। मेसी का प्रदर्शन भी शानदार मेसी सिर्फ कमाई में ही नहीं, मैदान पर भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इंटर मियामी के लिए उन्होंने 64 नियमित सीजन मैचों में 59 गोल किए हैं। इस सीजन में अब तक 11 मैचों में नौ गोल कर चुके हैं। पिछले सीजन उन्होंने 29 गोल किए थे और लगातार दूसरी बार मोस्ट वैलुएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीता था। मेसी ने पिछले साल टीम को पहला मेजर लीग सॉकर का खिताब भी दिलाया। 39 की उम्र में भी वर्ल्ड कप की तैयारी अगले महीने 39 साल के होने जा रहे मेसी अभी भी अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कप्तान हैं। वह अपने छठे वर्ल्ड कप में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। 2022 विश्व कप जीतने के बाद भी उनकी फिटनेस और प्रदर्शन लगातार शानदार बना हुआ है। मेजर लीग सॉकर में बाकी बड़े नाम मेसी और सोन के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में रोड्रिगो डी पॉल, मिगुएल अलमीरोन, हिरविंग लोजानो और थॉमस मूलर जैसे नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की कमाई भी करोड़ों डॉलर में है, लेकिन मेसी अब भी सबसे ऊपर हैं।

क्या पंजाब के खिलाड़ियों को बदनाम करने की साजिश हो रही है? प्रीति जिंटा हुईं नाराज, दिया बड़ा बयान

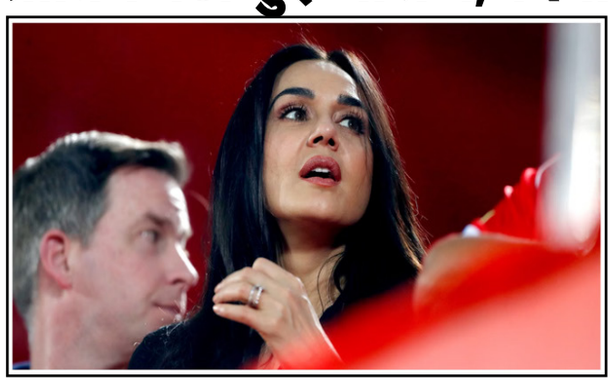

नई दिल्ली। लगातार हार और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के बीच पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा और फ्रेंचाइजी ने कड़ा रुख अपनाया है। दोनों ने फर्जी खबरें फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए जिम्मेदारी से व्यवहार करने की अपील की है। टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है और अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। आईपीएल 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब किंग्स इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रही है। लगातार हार, खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गिरावट और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों ने टीम को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इसी बीच टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा और फ्रेंचाइजी ने फर्जी खबरों के खिलाफ खुलकर बयान जारी किया है। मंगलवार, 12 मई को प्रीति जिंटा और पंजाब किंग्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगों से अपील की कि बिना तथ्यों की पुष्टि किए कोई भी जानकारी साझा न करें। शानदार शुरुआत के बाद लड़खड़ाई पंजाब किंग्स पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत बेहद दमदार अंदाज में की थी। टीम ने शुरुआती सात मुकाबलों में से छह जीते और लगातार अपराजित रही। इसी दौरान टीम ने आईपीएल इतिहास में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज भी दर्ज किया। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में टीम की लय बिगड़ गई। पंजाब लगातार चार मुकाबले हार चुकी है और टॉप-2 से नीचे खिसक गई है। इससे टीम पर दबाव बढ़ गया है। खिलाड़ियों को लेकर फैल रही थीं अफवाहें टीम के खराब प्रदर्शन के साथ-साथ कई तरह की चर्चाएं सोशल मीडिया पर तेज हो गईं। युजवेंद्र चहल को लेकर कथित वेपिंग विवाद की बातें सामने आईं। वहीं प्रभसिमरन सिंह की फिटनेस, वजन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर भी तरह-तरह की बातें की जाने लगीं। इन खबरों पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया था, लेकिन लगातार बढ़ती अफवाहों के बाद टीम प्रबंधन सामने आया। प्रीति जिंटा ने दी सख्त चेतावनी प्रीति जिंटा ने अपने बयान में साफ कहा कि आलोचना और गलत सूचना फैलाने में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, श्आलोचना और सोची-समझी गलत जानकारी फैलाने में फर्क होता है। खेल को लेकर स्वस्थ बहस का स्वागत है, लेकिन खिलाड़ियों, टीम या ब्रांड की छवि खराब करने के लिए झूठी कहानियां फैलाना बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जाएगा। मैं सभी लोगों, सत्यापित अकाउंट्स और मीडिया से अपील करती हूं कि बिना पुष्टि के किसी जानकारी को आगे न बढ़ाएं। धन्यवाद श्। पंजाब किंग्स ने भी दिया जवाब फ्रेंचाइजी ने भी अपने बयान में कहा कि खेल में आलोचना, मजाक और राय देना सामान्य बात है, लेकिन सस्ती लोकप्रियता के लिए फर्जी कहानियां बनाना गलत है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान, सोफी मोलिनक्स होंगी 15 सदस्यी, टीम की कप्तान

सिडनी। मार्च में हुए कैरेबियन दौरे से बाहर रहने वाली ग्रेस हैरिस को टीम में जगह दी गई है, तो सदरलैंड भी टीम में वापस आ गई हैं। महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान कर दिया गया है। स्क्वॉड में 15 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। कप्तानी सोफी मोलिनक्स करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बाएं हाथ की अनुभवी तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को जगह दी गई है, जबकि डार्सी ब्राउन को बाहर कर दिया गया है। टीम में एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, एलिस पेरी, और बेथ मूनी जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हैमिल्टन ने पिछले साल आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के सात गेंदबाजी विकल्पों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम में गेंदबाजी के विकल्पों में मेगन शुट्ट, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड, मैकग्राथ, पेरी और निकोला कैरी शामिल हैं। मार्च में हुए कैरेबियन दौरे से बाहर रहने वाली ग्रेस हैरिस को टीम में जगह दी गई है, तो सदरलैंड भी टीम में वापस आ गई हैं। महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान कर दिया गया है। स्क्वॉड में 15 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। कप्तानी सोफी मोलिनक्स करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बाएं हाथ की अनुभवी तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को जगह दी गई है, जबकि डार्सी ब्राउन को बाहर कर दिया गया है। टीम में एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, एलिस पेरी, और बेथ मूनी जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हैमिल्टन ने पिछले साल आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के सात गेंदबाजी विकल्पों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम में गेंदबाजी के विकल्पों में मेगन शुट्ट, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड, मैकग्राथ, पेरी और निकोला कैरी शामिल हैं। मार्च में हुए कैरेबियन दौरे से बाहर रहने वाली ग्रेस हैरिस को टीम में जगह दी गई है, तो सदरलैंड भी टीम में वापस आ गई हैं। 2009 से लगातार टी20 विश्व कप खेल रहीं एलिस पेरी विश्व कप में इस बार अपने 50 मैच पूरे करेंगी। निकोला कैरी 2020 के बाद अपना पहला टी20 विश्व कप खेलेंगी, तीन साल नेशनल टीम से बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में नेशनल टीम में लौटी हैं। अलाना किंग भी टीम में शामिल हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया है। उन्होंने मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ रखा गया है। अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमरू सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

अर्थ जगत

सरकार ने सोना-चांदी के गैरजरूरी आयात पर कसी नकेल, विदेशी मुद्रा बचाने के लिए उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। सरकार ने सोना और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर सीधे 15 फीसदी कर दिया है, ताकि बढ़ते आयात बिल और विदेशी मुद्रा दबाव को कम किया जा सके। यह कदम पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लिया गया है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने भी लोगों से सोने की खरीद कम करने और खर्च में संयम बरतने की अपील की है। पढ़िए रिपोर्ट- सरकार ने बुधवार को सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। यह कदम पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ते आयात बिल को नियंत्रित करने और कीमती धातुओं के गैर-जरूरी आयात को रोकने के लिए उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सोने की खरीद पर संयम बरतने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए अन्य किफायती उपायों की अपील की। इसके बाद वित्त मंत्रालय ने यह अधिसूचना जारी की। इसमें सामाजिक कल्याण अधिभार और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में बदलाव किया गया है, जो 13 मई से लागू हो गया। इस फैसले के बाद सोने पर कुल आयात शुल्क बढ़कर 15 फीसदी हो गया है। भारत का सोने का आयात 2025-26 में 24 फीसदी से अधिक बढ़कर 71.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, मात्रा के हिसाब से इसमें 4.76 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 721.03 टन रहा। सोने की कीमतें भी बढ़ी हैं और वित्त वर्ष 2025 में 76,617 डॉलर प्रति किलो से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 99,825 डॉलर प्रति किलो हो गई हैं। दिल्ली में कल सोने की कीमत क्या रही? राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। जबकि चांदी 12,000 रुपये बढ़कर 2,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत एक फीसदी गिरकर 4,692.64 डॉलर प्रति औंस हो गई और चांदी भी 3.04 फीसदी गिरकर 83.49 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। सरकार ने 2024-25 के बजट में घटाया था सोने पर आयात शुल्क सरकार ने 2024-25 के बजट में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया था, ताकि ज्वेलरी उद्योग को बढ़ावा मिले, तस्करी कम हो और घरेलू कीमतें नियंत्रित रहें। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी सोने पर शुल्क बढ़ाकर 15 फीसदी किया गया था

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स 200 अंक उछलकर नरम पड़ा, निफ्टी 23400 के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारतीय शेयर बाजार पर लगातार दिख रहा है। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी सुस्त, जबकि कस्टम ड्यूटी बढ़ने से सोना-चांदी में 6: का भारी उछाल दिखा।

बाजार का पूरा हाल जानने के लिए यह रिपोर्ट पढ़ें। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर छाई अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली के दबाव के कारण इक्विटी बाजारों में लगातार चैथे कारोबारी सत्र में भारी दबाव दिखा। वहीं दूसरी ओर, कमोडिटी बाजार में सरकार के एक बड़े फैसले के बाद सोने और चांदी की कीमतें नए स्तर पर पहुंच गई हैं। बुधवार को शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए। शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स और निफ्टी में सुस्ती और बिकवाली का दौर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने एक लंबे भू-राजनीतिक संकट की आशंकाओं को जन्म दे दिया है। इस तनाव के कारण निवेशकों का जोखिम लेने का उत्साह (रिस्क एपेटाइट) काफी कमजोर हो गया है। यही वजह है कि 13 मई 2026 के शुरुआती कारोबार में भी बाजारों में लगातार बिकवाली का दौर जारी रहा। सेंसेक्सरू तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 75.64 अंक चढ़कर 74,614.51 पर पहुंच गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 17.10 अंक बढ़कर 23,391.10 पर पहुंच गया था। निफ्टीरू दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी 50 में 18.11 अंक (0.08 प्रतिशत) की बेहद मामूली बढ़त दर्ज की गई और यह 23,397.65 के स्तर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता इसका मुख्य कारण रही। विदेशी फंडों की निकासी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, दोनों बेंचमार्क सूचकांक इस गति को बनाए रखने में विफल रहे। बीएसई सेंसेक्स 182.60 अंक गिरकर 74,362.19 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 41.05 अंक गिरकर 23,352.25 पर आ गया। सेंसेक्स की तीस कंपनियों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन और एक्सिस बैंक सबसे बड़े नुकसान में रहे।

एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक लाभ में रहे। वैश्विक कारक और मुद्रास्फीति वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 106.6 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार, 12 मई को 1,959.39 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में मामूली बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई। यह मुख्य रूप से सोने और चांदी के आभूषणों तथा कुछ रसोई वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण हुआ। लिवेलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रासद के ने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति के अनुमान से अधिक आने के बाद एसएंडपी 500 में गिरावट आई। भू-राजनीतिक तनाव और बाजार पर असर बाजारों को चिंता है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकती है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि ईरान की नवीनतम टिप्पणियों ने तत्काल राजनयिक समाधान की उम्मीदें कम कर दी हैं। अमेरिका-ईरान गतिरोध वैश्विक वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ा खतरा बना हुआ है।

सोने-चांदी पर आयात शुल्क में भारी इजाफा, दुबई के रास्ते बढ़ेगा आयात, समझें मुनाफे का पूरा गणित

नई दिल्ली। जानें कैसे सोने और चांदी पर आयात शुल्क बढ़कर 15 प्रतिशत होने से दुबई के रास्ते भारी आयात की संभावना बन रही है। इस आर्थिक बदलाव और मुनाफे के अवसरों के बारे में जीटीआरआई की रिपोर्ट के हवाले से पढ़ें यह खबर। भारत सरकार की ओर से सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने के बाद सर्राफा बाजार का समीकरण पूरी तरह से बदल गया है। इस भारी बढ़ोतरी के बाद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत दुबई से होने वाले आयात में बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, इस नए टैरिफ ढांचे ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के रास्ते होने वाले आयात को गहराई से प्रभावित किया है। आयात शुल्क में बदलाव का क्या होगा असर? पुरानी व्यवस्था के तहत सोने और चांदी पर 5 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और 1 प्रतिशत एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (एआईडीसी) लगता था, जिससे कुल लेवी 6 प्रतिशत थी। इसमें 3 प्रतिशत इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) जोड़ने के बाद प्रभावी शुल्क 9.18 प्रतिशत बैठता था। लेकिन नए संशोधित ढांचे में सरकार ने बीसीडी को दोगुना कर 10 प्रतिशत और एआईडीसी को पांच गुना बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप कुल सीमा शुल्क 6 प्रतिशत से सीधे 15 प्रतिशत हो गया है, और आईजीएसटी सहित प्रभावी आयात शुल्क 9.18 प्रतिशत से उछलकर 18.45 प्रतिशत पर पहुंच गया है। दुबई के रास्ते आयात में क्यों आएगी तेजी? भारत ने एक टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) प्रणाली के तहत दुबई से सामान्य मोस्ट-फेवर्ड-नेशन (एमएफएन) दर से एक प्रतिशत कम टैरिफ पर सोने के आयात की अनुमति दी थी। यह कोटा 2022 में सालाना 120 टन से शुरू हुआ था और 2027 तक इसे 200 टन तक बढ़ाया जाना है, जो भारत के सालाना स्वर्ण आयात का लगभग एक-चैथाई हिस्सा है। जीटीआरआई के अनुसार, नई व्यवस्था में प्रभावी शुल्क 15 प्रतिशत होने से यूएई कोटे के तहत आने वाला सोना 14 प्रतिशत शुल्क पर भारत में प्रवेश करेगा। टैरिफ का यह अंतर वैश्विक बुलियन को दुबई के रास्ते भारत लाने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, भले ही यूएई खुद सोने या चांदी का खनन नहीं करता है। चांदी के आयात में बड़े मुनाफे की संभावना कैसे? सीईपीए के तहत, भारत मई 2022 से शुरू होने वाली दस साल की अवधि में चांदी पर आयात शुल्क को 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने पर भी सहमत हुआ था। वर्तमान में यूएई से चांदी के आयात पर रियायती शुल्क 7 प्रतिशत है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत द्वारा सामान्य टैरिफ को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने से अब यह ड्यूटी अंतर 8 प्रतिशत अंकों का हो गया है। यह अंतर दुबई के रास्ते होने वाले आयात के लिए एक बड़ा आर्बिट्रेज (मुनाफा कमाने का) अवसर पैदा कर रहा है और यह मार्जिन 2031 तक हर साल तब तक और चैड़ा होगा जब तक सीईपीए टैरिफ शून्य नहीं हो जाता। बढ़ते आयात के आंकड़ों के बीच किस बात की चिंता? यह नीतिगत कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कीमती धातुओं के आयात में भारी उछाल दर्ज किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया

Published by HEMA SHARMA Printed by HEMA SHARMA On behalf of HEMA SHARMA Printed at K.M. Process, No 29, Q.N. Doss Road, Lucknow UP - 226001. and
Published From NO. 42/62, Raj Bhavan Colony, 1st Floor, Lucknow, UP - 226001. Editor: HEMA SHARMA, e-mail: hemasharma09@gmail.com